

पाषाण पुं. (तद्.) 1. पाषाण, पत्थर 2. उपल, ओला उदा. गरजि तरजि पाषाण बरषि पवि -तुलसी वि. (तद्.) पत्थर के समान कठोर उदा. तिन्ह के हिय पाषाण -तुलसी।

पासंग पुं. (फा.-पारसंग) 1. तराजू के दोनों पलड़ों या पल्लों का वह सामान्य सूक्ष्म अंतर जो उस दशा में रहता है जब उन पर कोई चीज तौली नहीं जाती, पासंगा 2. पत्थर अथवा लोहे आदि का वह थोड़ा सा भार जो उपर्युक्त अवस्था में किसी पल्ले या उसकी रस्सी में इसलिए रखा या बांधा जाता है कि दोनों पल्लों का अंतर दूर हो जाए और चीज पूरी तौली जा सके प्रयो. पासंग भी न होना- तुलना में नगण्य होना 3. एक प्रकार का जंगली बकरा जो सिंध और बलुचिस्तान में पाया जाता है।

पास अव्य. (तद्.) 1. निकट, समीप, नजदीक 2. अधिकार में, कब्जे में या हाथ में पुं. (तद्.) 1. निकटता, समीपता 2. ओर, तरफ 3. अधिकार या कब्जा 4. पाश, बंधन, जाल, फंदा पुं. (अं.) 1. कही जाने की लिखित अनुमति 2. वह अधिकार पत्र जिससे कोई कहीं बिना रोक-टोक के आ जा सकता हो वि. (अं.) परीक्षा आदि में उत्तीर्ण, सफल।

पासना अ.कि. (तद्.) स्तनों अथवा थनों में दूध उतरना, स्तनों अथवा थनों का दूध से भरना।

पासनी स्त्री. (तद्.) अन्न प्राशन नामक संस्कार।

पास-पड़ोस पुं. (देश.) आस-पास का परिवेश।

पासपोर्ट पुं. (अं.) विदेश जाने के लिए सरकारी अनुमति पत्र, पारपत्र।

पासपोर्ट साइज वि. (अं.) पारपत्र के आकार का।

पासबान वि. (फा.) पहरे देने वाला, निगरानी करने वाला पुं. (फा.) द्वारपाल, निरीक्षक।

पासबानी स्त्री. (फा.) निगरानी, निरीक्षण, पहरेदारी 2. द्वारपाल का काम और पद।

पासबुक स्त्री. (अं.) डाकघर; बैंक आदि से मिलने वाली वह लेखा पुस्तिका जिसमें रुपया जमा करने तथा निकालने आदि का हिसाब रहता है।

पासा/पाँसा पुं. (तद्.) 1. चौसर के खेल में फेंका जाने वाला लकड़ी का घनाकार छोटा सा गुटका जिस पर एक से छह तक बिंदियाँ बनी होती हैं 2. पासे से खेला जाने वाला खेल 3. पासे के आकार का सोने अथवा चांदी का टुकड़ा 4. सुनारों का एक उपकरण जिससे वे आभूषणों में गोलाई लाते हैं मुहा. पाँसा/पासा उलटना अथवा पाँसा/पासा पलटना- जुएँ आदि में दाँव हार जाना, भाग्य का बदलकर अनुकूल अथवा प्रतिकूल हो जाना; पाँसा/पासा फेंकना- भाग्य की परीक्षा करना।

पासार पुं. (फा. पासदार) 1. तरफदार, पक्षपाती 2. शरणदाता, रक्षक।

पासारि पुं. (फा.) 1. तरफदारी, पक्षपात 2. शरण, रक्षा।

पासासारि पुं. (देश.) 1. पासों की सहायता से खेला जाने वाला खेल जैसे- चौसर 2. चौसर आदि गोट।

पासिक पुं. (तद्.) 1. फंदा 2. बंधन।

पासी पुं. (तद्.) 1. जाल या फंदा डालकर चिड़ियाँ पकड़ने वाला, बहेलिया 2. एक जाति जो ताड़ के पेड़ों से ताड़ी उतारने का काम करती है स्त्री. (तद्.) 1. घोड़ों के पिछले पैर में बांधी जाने वाली रस्सी 2. भूसा अथवा घास बांधने की जाली या रस्सी 3. पाश, जाली, फंदा उदा. सूरदास प्रभु दृढ़ करि बांधे प्रेम पुंज की पासी-सूरसागर।

पासु पुं. (तद्.) 1. पाश 2. फंदा, जाल क्रि.वि. (तद्.) 1. पास, समीप।

पासुरी स्त्री. (तद्.) पसली।

पासोवर पुं. (अर.) यहूदियों का वसंतकालीन उत्सव।

पास्चुरीकरण पुं. [अं. पैस्चराइज+सं. करण] दूध आदि द्रवों के अनेक रोगजनक कीटाणुओं को